# मेरे मोहन पीया मुस्करा दे ज़रा

मेरे मोहन पीया मुस्करा दे ज़रा,
अपने नैनो का जादू चला दे ज़रा ॥

चारु चितवन छबीली जो झांके तेरी,
मोह लेती है मन मेरा मुरली तेरी ।
देख कर के तुम्हे दास कहता है यह,
अपने दर पे बुला ले मुझे भी ज़रा ।
मेरे मोहन पीया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

दिल भाते हुए मुस्कराते हुए,
मेरे नैनो से नैना मिलते हुए ।
अपनी करुणा का अमृत पिलाकर मुझे,
ऐ कन्हईआ दीवाना बना दे मुझे ।
मेरे मोहन पीया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

दुनियां कहने लगी मैं दीवानी तेरी,
अब तलक भी हमारी न नज़रे मिली ।
आज पर्दा हटा मेरी महफ़िल में आ,
अपने भक्तों को सूरत दिखा दे ज़रा ।
मेरे मोहन पीया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

गोबिंद हरे गोपाल हरे, जय जय प्रभु दीन दयाल हरे ॥
जय जय प्रभु दीन दयाल हरे, जय जय प्रभु दिन दयाल हरे ॥
गोबिंद हरे गोपाल हरे, जय जय प्रभु दीन दयाल हरे ॥

अपलोड करता- अनिल भोपाल

**स्वर** : अलका गोएल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4529/title/mere-mohan-piya-muskara-de-jara-apne-naino-ka-jaadu-chla-de-jara

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |